Amar Ujala Date:-12-01-2019 Page:-06

अंतिम दौर में भारी छूट

विश्व पुस्तक मेला : सांस्कृतिक उत्सव में कलाकारों ने जमाया रंग

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। विश्व पुस्तक मेले के 7वें दिन शुक्रवार को भी पाठकों की काफी भीड़ पहुंची। मेले के अंतिम दौर में बड़े प्रकाशक भी खरीदारी पर अच्छी-खासी छूट दे रहे हैं। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा आयोजित संस्कृति उत्सव में नवरत्न फाउंडेशन के कलाकारों ने मधुर गीतों की पेशकश से खूब रंग जमाया।

मेले में आई रोशनी मल्होत्रा ने बताया कि वह आईएएस के लिए प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही हैं। उन्हें यहां प्रतियोगी पुस्तकों पर काफी अच्छी छूट मिली है। उन्हें हिंदी साहित्य अकादमी के स्टॉल से साहित्य की भी अच्छी पुस्तकें मिली हैं। गौरव शर्मा ने बताया कि नॉवेल पर उन्हें अच्छी छूट मिली है। वह हर साल खास तौर पर नॉवेल खरीदने के लिए पुस्तक मेले में आते हैं।

किताबें देखती एक पाठक।

मेले में शुक्रवार को एमबीडी ने 11वीं और 12वीं के छात्रों के लिए आसानी से फिजिक्स सिखाने वाली पुस्तक मॉडर्न एचीवर्स प्लस का लोकार्पण किया। इसके लेखक आईआईटी कानपुर के पूर्व छात्र उत्तम नारायण त्रिपाठी हैं। इस दौरान एमबीडी ग्रुप की प्रबंध निदेशिका मोनिका मल्होत्रा भी मौजूद थीं। राजकमल प्रकाशन के स्टॉल पर कनाडा की नोबेल पुरस्कार विजेता लेखिका ऐलिस मुनरो की पुस्तक मैं तुमसे कुछ कहना चाहती हूं, का लोकार्पण किया गया। इसी बीच, गीतांजलिश्री के बहुचर्चित उपन्यास रेत-समाधि पर चर्चा हुई। इतिहासकार सुधीर चंद्र की पुस्तक 'गांधी : एक असंभव संभावना', लोकभारती प्रकाशन की संपूर्ण कहानियां मार्कंडेय का लोकार्पण, विनय कुमार के कविता संग्रह 'यक्षिणी' और अनामिका के कहानी संग्रह 'पानी को सब याद था' का लोकार्पण किया गया। एपीएन पब्लिकेशन पर तृप्ति अग्रवाल के काव्य संग्रह कलसी का पानी, कल्पना लाइव और बबूल पुस्तक का लोकार्पण किया गया।